''इंडिया'' के मतभेदों को बढ़ा चढ़ा कर क्यों दिखा रहा है मीडिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

मीडिया में खड़गे को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बताए जाने पर नीतीश की नाराजगी की खबरें चल रही हैं

- **मीडिया के एक प्रमुख वर्ग में यह खबर भी चल रही है कि, खड़गे को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी बताए जाने से राहुल गांधी भी रूष्ट हैं।**
- **राजनैतिक विशेषज्ञों के अनुसार जानबूझ कर इस तरह की खबरें प्रचारित की जा रही है, जिनसे जनता में यह संदेश जाए कि, इंडिया गठबंधन में गंभीर मतभेद हैं।**

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। यह अब निरन्तर स्पष्ट होता जा रहा है कि बड़े मीडिया हाउस ''इण्डिया'' गठबंधन की नकारात्मक छवि पेश करने की हर संभव कोशिश कर तिल का ताड़ बना रहे हैं और ऐसी खबरें दे रहे हैं कि गठबंधन के सहयोगियों की अलग-अलग राय प्रस्तुत कर यह जता रहा है कि विपक्ष के गठबंधन में दरारे हैं।

राजधानी दिल्ली व अन्य सैन्टर्स से प्रकाशित होने वाले एवं बड़े मीडिया घरानों के भारी प्रसार वाले अधिकांश अंग्रेजी अखबारों ने कहा कि बिहार के सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगियों जद (यू.) और आर.जे.डी. के नेता और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्ष की ओर से दिए गए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाये जाने के प्रस्ताव से नाराज़ हैं।

लेकिन मीडिया की इन खबरों के उलट आर.जे.डी. और जनता दल (यू.) एकजुट हो गए हैं। इन्होंने दोहराया है विपक्ष के महा ''इण्डिया'' गठबंधन में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है।

यह बात इन खबरों के प्रकाशित होने के दो दिन बाद सामने आई है। खबरों में दावा किया गया था कि गठबंधन सहयोगियों द्वारा खड़गे का नाम मुख्य पद के लिए बढ़ाए जाने से नीतीश कुमार नाराज हैं।

बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं आर.जे.डी. नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि ''बिहार में कोई झगड़ा नहीं है। जब उनके इण्डिया गठबंधन सहयोगियों में मतभेद के बारे में पूछा गया तो यादव ने कहा कि ''यह सब कुछ कौन कह रहा है? जाइए, उन्हीं से पूछिए।'' विपक्षी गठबंधन में किसी भी प्रकार की समस्या को जे.डी. (यू.) ने भी नकारा है। उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष लल्लन सिंह ने कहा कि ''इण्डिया गठबंधन में किसी प्रकार का कोई मतभेद नहीं है। हम सीट शेयरिंग के बारे में एक हफ्ते में निर्णय कर लेंगे''

इससे पहले, केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता गिरीराज सिंह ने एक विस्फोटक खुलासा करते हुए कहा था कि आर.जे.डी. प्रमुख लालू यादव ने उन्हें बताया है कि बिहार में जे.डी. (यू.) शीघ्र ही आर.जे.डी. में विलय कर लेगा। सिंह ने आगे कहा कि ''मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता, लेकिन लालू यादव और मेरे पुराने संबंध हैं।''

भाजपा नेता की उक्त टिप्पणियों को खारिज करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि ''वे लोग (भाजपा) अपनी सोच को दूसरे पर थोपना चाहते हैं। ये लोग खबरों में बने रहने के लिए ऐसा कहते हैं। यदि ये लोग ऐसी बात ना बोलें तो क्या आप उन्हें अपनी खबरों में स्थान देंगे।''

यादव ने भाजपा के इन दावों को भी नकारा कि वह वर्ष 2024 के आम चुनाव में 50 प्रतिशत वोट शेयर के साथ क्लीन स्वीप करेगी। उन्होंने कहा-''लोगों की बाते हैं।''

दिल्ली में गत 19 दिसम्बर को हुई इण्डिया गठबंधन की चौथी मीटिंग में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खड़गे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था।

सूत्रों के अनुसार चूंकि खड़गे विपक्ष का एक प्रमुख दलित फेस है, इसलिए गठबंधन की 12 सहयोगी पार्टियों ने उनके नाम का समर्थन किया था। बनर्जी के प्रस्ताव को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का भी अप्रत्याशित सहयोग मिला था, जबकि केजरीवाल के लिए ऐसा माना जाता है कि कांग्रेस के साथ उनकी पटरी नहीं बैठती। सूत्रों ने केजरीवाल को यह कहते हुए उद्धृत किया ''यह भारत में पहला दलित प्रधानमंत्री बनाने का सुअवसर होगा।'' इण्डिया गठबंधन की अधिकांश सहयोगी पार्टियों की राय में दलित कार्ड खेलना विपक्षी गठबंधन को निर्णायक रूप से लाभान्वित करेगा।

तथापि, खड़गे ने इस विचार को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि ''हमें पहले जीतना होगा और यह विचारना होगा कि जीतने के लिए क्या करें।

निर्वाचित सांसदों के बिना प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी पर चर्चा करने का कोई तुक नहीं है। खड़गे के नाम पर मिली भारी स्वीकृति को विपक्षी नेताओं में उनके बड़े कद के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसे राहुल गांधी के लिए भी एक कटाक्ष के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पद प्राप्त करने का कभी भी गंभीर प्रयास नहीं किया।

हालांकि, वास्तविकता यह है कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच जब यू.पी.ए. केन्द्र में सत्तारूढ़ थी, तब मनमोहन सिंह सरकार में राहुल के मंत्री बनने की काफी कुछ संभावनाएं थीं। यहां तक कि वह प्रधानमंत्री भी बन सकते है, लेकिन उनका ध्यान कांग्रेस को लोकतांत्रिक एवं वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध बनाने पर अधिक था।

गठबंधन के प्रत्येक नेता का किसी मुद्दे पर कोई ना कोई विचार होता है और जरूरी नहीं कि यह विचार गठबंधन के अन्य नेताओं के विचारों से मिलता जुलता हो, किन्तु उसे ''इण्डिया'' गठबंधन की वैचारिक भिन्नता के रूप में प्रस्तुत करना बेईमानी है क्योंकि किसी मुद्दे पर गठबंधन का रूख पर विचार मीटिंग में होने वाली चर्चाओं के बाद ही सामने आता है और इसी का नाम लोकतंत्र है। दबाव में आकर काम करने वाले अखबार जल्दबाजी में कोई आरंभिक रुख या विचार प्रस्तुत करने के लिए किसी मीटिंग का कार्यक्रम में पूर्ण विचार-विमर्श होने से पूर्व ही उसके विशेष जानकारी पहले ही उपलब्ध करवा देते हैं।

पहली बार विधायक बने किरण सिंह देव छत्तीसगढ़ में भाजपा अध्यक्ष बने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **मुख्यमंत्री पद पर आदिवासी नेता को बिठाने के बाद भाजपा ने गैर आदिवासी, गैर ओ.बी.सी. नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना कर जातिगत समीकरण संतुलित करने का प्रयास किया है।**
- **प्रदेश अध्यक्ष पद पर बदलाव जरूरी था, क्योंकि अरूण साओ, जो अब तक प्रदेश अध्यक्ष थे, राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए हैं।**
- **पेशे से वकील सिंह देव भाजपा संगठन के कई पदों पर रह चुके हैं तथा बस्तर की एक मात्र अनारक्षित सीट जगदलपुर से विजयी हुए हैं।**

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। आदिवासी जिला बस्तर की एक सीट से पहली बार विधायक बने किरण सिंह देव को छत्तीसगढ़ का नया भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब आदिवासी मुख्यमंत्री होने के साथ ही गैर आदिवासी व गैर ओ.बी.सी. नेता को प्रदेश प्रमुख बना कर भाजपा ने जातिगत व क्षेत्रीय समीकरणों में संतुलन स्थापित करने की कोशिश की है।

चूंकि भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अरूण साओ को विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री बना दिया गया है, इसलिए प्रदेशाध्यक्ष पद पर किसी ना किसी को नियुक्त करना था लेकिन जनता को शुरु में नहीं लग रहा था कि 60 वर्षीय किरण सिंह देव को उन लोगों में शामिल नहीं थे, जिनका नाम प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल था।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरूण कुमार की ओर से दिल्ली में जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने विधायक किरण देव सिंह को छत्तीसगढ़ का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया है तथा यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अस्तित्व में आ जाएगी।''

सिंह देव बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर के पूर्व मेयर हैं और इस आदिवासी बहुत क्षेत्र के एकमात्र अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आदिवासी बहुल क्षेत्र के कुल 12 निर्वाचन क्षेत्रों में से 8 पर विजय प्राप्त की थी। सिंह देव क्षत्रिय जाति से हैं। इसलिए वह ऐसे गैर आदिवासी व गैर ओ.बी.सी. नेता हैं जिसे एक दशक से भी अधिक समय बाद संगठन में कोई प्रमुख पद मिला है। सिंह देव पेशे से वकील हैं और संगठन में कई पदों पर रह चुके हैं और वर्ष 2022 तक वह राज्य स्तरीय महासचिव रहे हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी जतिन जायसवाल को करीब 30 हजार वोटों से हराया था।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की कुल 11 सीटों में भाजपा 9 पर जीती थीं और जिन दो सीटों पर वह नहीं जीत पायी, उनमें बस्तर भी एक थी। यहां कांग्रेस टिकट पर जीते दीपक बैज वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं। कांग्रेस हमेशा बस्तर क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष चुनती रही है। इस बार भाजपा ने भी प्रदेश अध्यक्ष बस्तर से चुना है।

भाजपा के सूत्रों का कहना है कि सरगुजा से आदिवासी मुख्यमंत्री व बस्तर से गैर आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष बनाने से पार्टी व क्षेत्रीय व जातीय संतुलन बिठाने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है।

पुराने, थके हुए नेताओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह है कि प्रियका गांधी वाड्रा को बिना किसी पोर्टफोलियो के कांग्रेस महासचिव बनाया गया है। उन्हें कोई राज्य अथवा कोई कार्य नहीं सौंपा गया है। ऐसे संकेत थे कि राहुल गांधी उन्हें कोई अहम जिम्मेवारी देकर किसी प्रकार का समानान्तर सत्ता केन्द्र निर्मित नहीं करना चाहते थे। प्रियंका यू.पी. की प्रभारी थीं, किन्तु उन्होंने एक वर्ष पूर्व अपने पद से त्याग पत्र दे दिया था।

के.सी. वेणुगोपाल संगठन के प्रभारी महासचिव और जयराम रमेश पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पद पर बने हुए हैं।

- **चर्चा है कि, राहुल कोई समानान्तर पावर सैंटर नहीं चाहते हैं इसलिए प्रियंका को कोई पद नहीं दिया गया है।**
- **उत्तर प्रदेश जैसा महत्वपूर्ण राज्य अविनाश पांडे को दिया गया है, जो पहले राजस्थान और अब झारखंड में फेल हो गए हैं।**

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे इन दोनों को ही अपने-अपने पदों से हटाना चाहते थे, लेकिन राहुल ने इसके लिए साफ इन्कार कर दिया।

तारिक अनवर, भक्त चरण दास, हरीश चौधरी और रजनी पाटिल को ए.आई.सी.सी. से हटा दिया गया है।

राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में अविनाश पाण्डे को ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव बनाया गया है। बताया जाता है कि पाण्डे पहले राजस्थान में फेल हुए थे, और अब झारखण्ड में असफल हो गए हैं। पाण्डे के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें भी मिलती रही हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने अपने नक्शे से खुद ही उत्तर प्रदेश को मिटा दिया है।

मोहन प्रकाश की बिहार के प्रभारी के रूप में ए.आई.सी.सी. में वापसी हुई है, जबकि रमेश चेन्नीथला को महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया गया है। भंवर जितेन्द्र सिंह जिनके नेतृत्व में कांग्रेस ने पहले तो ओडिशा और फिर असम में हार का सामना किया था, को असम के साथ ही मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है।

कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं, दोनों का ही कहना है कि ए.आई.सी.सी. का बहुप्रतीक्षित फेरबदल काफी निराशाजनक रहा क्योंकि प्रतिभाशाली लोगों को शामिल करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। जिन लोगों का चयन किया गया है, उनमें से कई लोग सीनियर नेताओं के प्रतिनिधि हैं और पार्टी में उनके निहित स्वार्थ हैं। कई चयनित लोग तो ऐसे हैं जो अपने-अपने प्रभार वाले राज्यों में पहले खराब प्रदर्शन कर चुके हैं और उनके खिलाफ शिकायतें भी रहीं हैं।

इन लोगों को ए.आई.सी.सी. में बरकरार रखा गया है तथा पहले से अधिक मलाईदार राज्य दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव भी अब नज़दीक ही हैं, इसलिए पार्टी के साधारण कार्यकर्ता का इस फेरबदल से ना तो कोई उत्साह हुआ है और ना ही उसके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है।

भाजपा का फोकस आगामी लोकसभा चुनाव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दिल्ली में दूसरे दिन शनिवार को भी बैठक हुई ताकि आगामी लोकसभा चुनावों में विजय प्राप्त करने के लिए विचार-विमर्श एवं पार्टी के लिए रणनीति बना सके।

इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने की तथा इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों, विभिन्न प्रदेशों के प्रभारियों एवं प्रदेश के संगठन महासचिवों ने भाग लिया।

- **नई दिल्ली में भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक में आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति पर विचार किया गया।**

इस 2 दिवसीय बैठक में अभी हाल ही में सम्पन्न हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर भी चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं ने काफी प्रशंसा की जिनकी वजह से पार्टी को चुनावों में शानदार जीत प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उन्हें और भी कठिन परिश्रम करना है और पार्टी जहां भी चुनाव लड़ रही है वहां एक सीट को भी हल्के में नहीं लेना है।

देश में विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रत्येक वोट, प्रत्येक सीट बहुत महत्वपूर्ण है। बैठक में उपस्थित सूत्रों के हवाले से खबर है कि मोदी ने कहा है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को सभी लोग आगे बढ़ाएं। मोदी पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित बैठक में शनिवार को पुन: पार्टी के नेताओं को सम्बोधित करेंगे।

इस बैठक में विभिन्न मोर्चों और प्रदेश इकाइयों ने उनकी ओर से संगठन संबंधी किए गए कार्यों और आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक कार्य उनके द्वारा किए जारी रहे हैं उनकी जानकारी प्रदान की।

उप मु.मंत्री दिया कुमारी ने ट्रैफिक जाम की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज विद्याधर नगर के दौरे पर पहुंची

जयपुर, 23 दिसम्बर (का.सं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र विद्याधर नगर की ज्वलंत समस्याओं को हल करने के लिए ठोस कदम उठाने शुरू कर दिये है। शुक्रवार को दिया कुमारी ने सीकर-जयपुर नेशनल हाईवे पर रोड नंबर 14 से लेकर हरमाड़ा तक लगने वाले जाम की समस्या के निराकरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों के साथ मौके का जायजा लिया।

इसके साथ ही दिया कुमारी ने नेशनल हाईवे अथोरिटी के अधिकारियों के साथ 14 नंबर पुलिया से नींदड मोड़ और टोडी इलाके का भी मौका मुआयना किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निजी उप-सचिव शैलेश शर्मा, एन.एच.ए.आई. के रीजनल ऑफिसर हरीश कुमार, प्रोजैक्ट डायरैक्टर अजय आर्य व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दिया कुमारी ने जाम की समस्या को हल करने के लिए फ्लाई-ओवर व रोड के चौड़ाई बढ़ाने के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस मामले में तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सीकर रोड पर हाईवे क्रासिंग के समय जाम की समस्या के समाधान, दुर्घटनाओं को रोकने, और बारिश के पानी का भराव रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र विद्याधर नगर का दौरा किया तथा ट्रैफिक जाम व पानी भरने जैसी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

सीकर-जयपुर हाईवे पर पानी के भराव के कारण स्थानीय लोगों को कई वर्षों से बारिश के मौसम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों को दिया कुमारी ने निर्देश दिये हैं कि इंजीनियरिंग खामियों के चलते आम जन को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

शुक्रवार को दिया कुमारी ने विद्याधर नगर में पीने के पानी की समस्या को हल करने लिए जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी की और इलाके में पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए भी निर्देश दिये।

जलदाय विभाग के अधिकारियों को भी उपमुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश जारी कर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र की हर कॉलोनी में पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

- **दिया कुमारी ने सीकर-जयपुर नैशनल हाईवे पर रोड न. 14 से हरमाड़ा तक लगने वाले जाम की समस्या को खत्म करने के लिए निर्देश दिए।**
- **दिया कुमारी ने जगह-जगह पानी भरने की समस्या को निपटाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए।**

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर अलग-अलग स्थानों पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में लोगों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, किसानों के कल्याण के लिये जीवनपर्यंत समर्पित रहे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को उनकी जयंती पर सादर नमन। इस मौके पर संविधान भवन में कई नेताओं ने उनके चित्र पर पुष्प भेंटकर श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य सभा के उप-सभापति हरिवंश के नेतृत्व में सांसदों ने आज दिवंगत प्रधानमंत्री की जयंती के अवसर पर संविधान भवन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

'कर्नाटक में अभी हिजाब पर प्रतिबंध हटाया नहीं गया'

- **कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह जानकारी दी।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्तर पर चर्चा के बाद हटाया जाएगा।**

गलुरु, 23 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने हिजाब पर प्रतिबंध अभी तक नहीं हटाया है, लेकिन सरकारी स्तर पर चर्चा के बाद इस पर निर्णय लिया जायेगा।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने अभी तक ऐसा (हिजाब प्रतिबंध हटाना) नहीं किया है। किसी ने मुझसे (हिजाब प्रतिबंध हटाने पर) सवाल पूछा था और मैंने जवाब दिया कि सरकार इसे हटाने पर विचार कर रही है।

हिजाब प्रतिबंध को हटाने की समयसीमा के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में सिद्दारमैया ने कहा, सरकारी स्तर पर चर्चा के बाद ऐसा किया जायेगा।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो देश में शरिया लागू किया जायेगा।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार है। वह राज्य में शैक्षिणक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटाना चाहती है। यह केवल हिजाब पर प्रतिबंध हटाना नहीं है, बल्कि राज्य में शरिया कानून की स्थापना है। अगर राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन देश में सरकार बनाते हैं तो इस्लामिक कानून लागू किया जाएगा।

सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि, जहां भी कांग्रेस सरकार शासन कर रही है, वहां शरिया स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने भी कहा कि, सिद्दारमैया का बयान कर्नाटक में कांग्रेस की असली मंशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार इस तरह का बयान दे रही है क्योंकि पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद उसे एहसास हो गया है कि वह अगला लोकसभा चुनाव नहीं जीत रही है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पूरी तरह से उम्मीद खो चुकी है।

इसलिये कर्नाटक में कांग्रेस सरकार स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब की अनुमति देने के इस स्तर तक गिर गयी है।

चन्द्रबाबू से मिलने पहुंचे चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

आंध्र प्रदेश में इस मुलाकात को लेकर घोर अटकले लगाई जा रही है

- **चर्चा है कि, चन्द्रबाबू नायडू चुनाव जीतने के लिए प्रशांत किशोर की सेवाएं ले सकते हैं।**
- **फिलहाल प्रशांत किशोर के पूर्व सहयोगी रॉबिन शर्मा तेलुगुदेशम पार्टी के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रहे हैं।**

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। दक्षिण में आंध्र प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां से लोकसभा में 25 सांसद चुनकर आते हैं, वर्चस्व के लिए चुनावी जंग सत्ताधारी पार्टी वाई.एस.आर.सी.पी. और विपक्षी तेलुगूदेशम पार्टी के बीच शुरू हो चुकी है। दोनों पार्टियों ने चुनावों में जीत के लिए राजनीति के धुरंधर रणनीतिकारों से अनुबंध कर लिया है क्योंकि आज के समय में आधुनिक चुनावी युद्ध उनके बगैर जीतने संभव नहीं है। इस कार्य में संख्या विश्लेषक, आंकड़ा विश्लेषक, चुनाव प्रचार अभियान संचालित करने वाले विशेषज्ञ एवं चुनाव विश्लेषकों सहित सबको एक साथ समाहित कर लिया जाता है जिन्हें राजनीति दल बदल देते हैं और वो भी खासतौर से आंध्र प्रदेश में वहां इस कार्य अंतिम की गणित शुरू हो जाती है।

आंध्र प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शनिवार को सबसे मजेदार चर्चा यह रही कि राजनीति में माहिर रणनीतिकार प्रशांत किशोर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व टी.डी.पी. के सुप्रीमो एन. चन्द्रबाबू नायडू के आवास पर मुलाकात करने पहुंचे और इस मुलाकात के बाद चर्चा हो रही है कि वो नायडू और उनकी पार्टी को मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी से मुकाबला करने की सलाह दे सकते हैं।

प्रशांत किशोर एक टेलीविजन को दिए साक्षात्कार यह संकेत देते रहे हैं कि वे कांग्रेस के साथ मिलकर इसलिए कार्य करना चाहते हैं क्योंकि उनकी स्वयं की विचारधारा राष्ट्रीय पार्टी से मेल खाती है, वे इससे पूर्व आंध्र प्रदेश पहुंचे थे और उसके बाद वे वहां के एक निजी हवाई जहाज, जो कि एक कम्पनी का था, से चन्द्रबाबू नायडू के पुत्र नारा लोकेश के साथ विजयवाड़ा पहुंचे, जहां से वे समस्त महत्वपूर्ण मामलों पर बैठक करने के लिए उंदावल्ली स्थित निवास पर पहुंचे थे।

प्रशांत किशोर की निजी राय यह है कि भाजपा दक्षिण भारत के प्रदेशों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगी और पूर्वी भारत के बारे में यह समझा जाता है कि उसने टी.डी.पी. के साथ मिलकर आगामी चुनावों में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की है और आगामी विधानसभा चुनावों में इसकी मदद करेगी।

चूंकि आंध्र प्रदेश में विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनावों के साथ होंगे, इसलिए ऐसा समझा जाता है कि लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करना भी भावी अनुबंध का हिस्सा हो सकता है। संयोगवश, आंध्र प्रदेश विधानसभा के पिछली बार के चुनावों में प्रशांत किशोर ने वाई.एस.आर. सी.पी. के साथ चुनाव कार्य किया था और जगन रेड्डी को जबरदस्त जीत दर्ज कराने में मदद की थी। परन्तु इस बार पिछले कुछ महिनों से प्रशांत किशोर की दृष्टिकोण जगन मोहन रेड्डी के शासन को लेकर कुछ अलग ही आलोचनात्मक रहा है और राज्य के राजनीतिक गलियारों में उनके बारे में चर्चा है कि वे टी.डी.पी. की टीम के रूप में काम करेंगे। खासतौर से एक कारण यह भी है कि चन्द्रबाबू पुत्र लोकेश ने कुछ माह पूर्व प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी और तेलुगूदेशम मीडिया में यह खबर चल रही है कि प्रशांत किशोर का टी.डी.पी. के साथ रणनीतिक समझौता होने की संभावना है।

वर्तमान में टी.डी.पी. के चुनाव प्रचार अभियान एवं चुनावी रणनीति पर प्रशांत किशोर के पूर्व सहयोगी रहे रॉबिन शर्मा के साथ कार्य किया गया है, शर्मा भी उक्त तथाकथित बैठक में उपस्थित थे और उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने पुराने साथी को धरातल के वास्तविक तथ्यों, डेटा एवं मुद्दों की जानकारी दी है और इसके अतिरिक्त चन्द्रबाबू ने भी ने से भी स्वयं के विचारों, चुनौतियों की जानकारी दी। तेलुगूदेशम पार्टी का पहले से फिल्म स्टार से नेता बने पवन कल्याण की पार्टी जन सेना से गठबंधन है जिसका भाजपा के साथ गठबंधन है।

हालांकि टी.डी.पी. पुरजोर कोशिश कर रही है कि उसका तालमेल भाजपा के साथ बैठ जाए और पवन कल्याण अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दोनों पार्टी का गठबंधन बन जाए, परन्तु भाजपा का अब तक रूख टी.डी.पी. से दूरी बनाए रखने का रहा है। मजेदार बात यह है कांग्रेस के रणनीतिकार सुनील कानूगोलू (जो कभी प्रशांत किशोर के साथ कार्य कर चुके हैं) ने उक्त बैठक को लेकर ट्वीट किया तथा भ्रम फैलाने का प्रयास किया है कि प्रशांत किशोर चाहते हैं कि टी.डी.पी. इंडिया गठबंधन में शामिल हो जाएं।

आंध्र प्रदेश में खबरों के बाजार में यह भी चर्चा जोरों पर चल रही है कि जगन मोहन की पार्टी वाई.एस.आर.सी.पी. इस बात की संभावनाएं तलाश रही है कि उसका गठबंधन इंडिया एलायंस के साथ हो जाए। परन्तु दोनों ही पार्टी के नेताओं ने इस प्रकार की उड़ रही अफवाहों को खारिज कर दिया है।

रिकॉर्ड के बतौर, प्रशांत किशोर के एक पूर्व सहकर्मी और है जिनका नाम ऋषि राज है, जो मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के साथ इस मामले पर कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908